पद्मपुस्तकमाला का दूसरा फूल

आदर्श और यथार्थ

अर्थात्

काव्य में आदर्शवाद और यथार्थवाद

का विवेक, विवेचन और समन्वय



लेखक

पुरुषोत्तमलाल श्रीवास्तव एम्० ए०



सं० १९९३

काशी